B-3

L-7

दिनांक 6-02-24

- Slowdown, Recession आदि का समाधान :

Stimulus

- Slowdown, Recession आदि समस्याओं को दूर करने के लिए लाए जाने वाले मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के मिश्रित पैकेज को Stimulus कहते हैं।

- यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए एक समान रूप से लागू किया जाता है, इसके विपरित, Bail-out Package कुछ कंपनियों या क्षेत्रों तक सीमित रहता है।

- आवश्यकता पड़ने पर दोनों को एक साथ भी लागू किया जा सकता है।

- Stimulus को एक रेखा चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है -

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

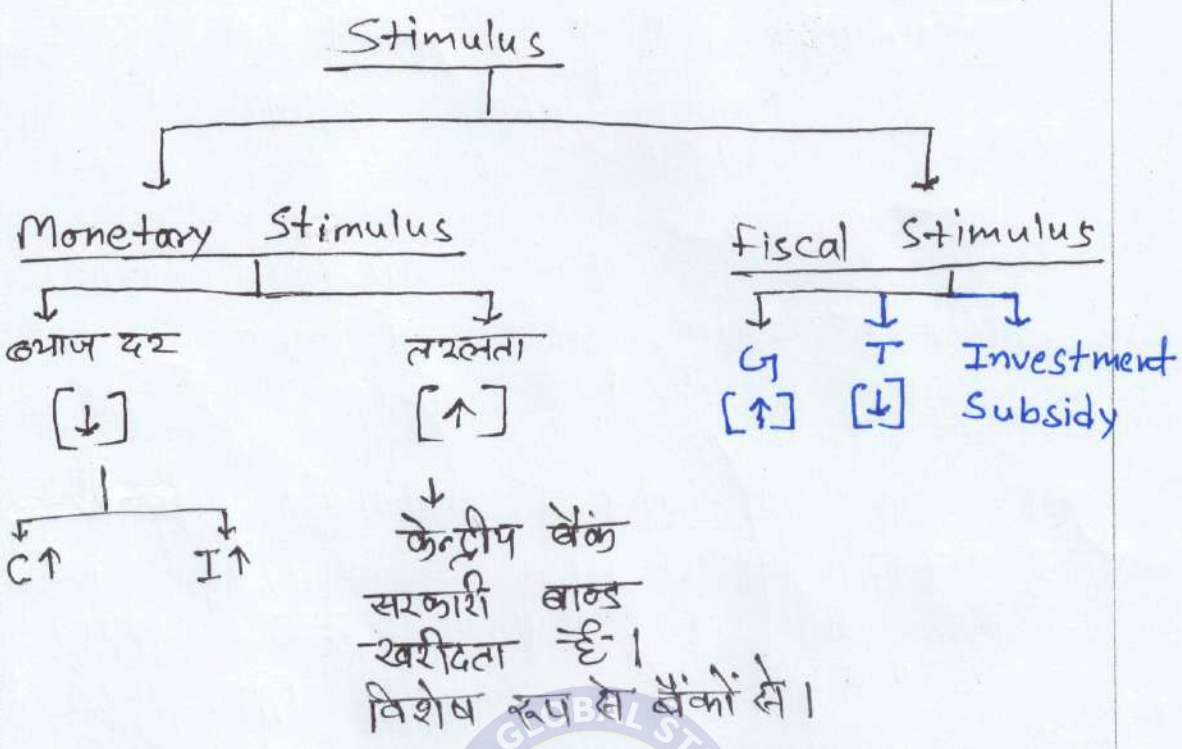

Stimulus

- **Monetary Stimulus**
  - ब्याज दर [↓]
    - C ↑
    - I ↑
  - तरलता [↑]
    - केन्द्रीय बैंक सरकारी बान्ड खरीदता है। विशेष रूप से बैंकों से।
- **Fiscal Stimulus**
  - G [↑]
  - T [↓]
  - Investment Subsidy

Note- यह कहा जाता है कि मंदी के समय मौद्रिक Stimulus अधिक प्रभावी नहीं होता, fiscal Stimulus अधिक प्रभावी होता है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

⇒ मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के कुछ नाम :-

1- विस्तारक मौद्रिक नीति
(Expansionary) ⇓
तरलता में बढ़ोत्तरी की जाती है ⇒ L↑

2- संकुचनकारी मौद्रिक नीति
(Contractionary) ⇓
तरलता में कमी की जाती है ⇒ L↓

3- सस्ती / आसान मौद्रिक नीति
(Cheaper / Easy) ⇓ or (Dovish)
ब्याज दरों को कम किया जाता है।

4- मंहगी / कड़ी मौद्रिक नीति
(Dear / Tight) or
Howkish
⇓
ब्याज दरों को बढ़ाया जाता है।

5- विस्तारक राजकोषीय नीति।
⇓
सरकारी खर्च ↑
कर (Tax) ↓

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

6. संकुचनकारी राजकोषीय नीति।

⇓

सरकारी खर्च ↓

कर (Tax) ↑

GFCF = Gross fixed Capital formation

सकल स्थिर पूंजी निर्माण

⇓

- उत्पादन क्षमता बढ़ाने वाली मदों को सम्मिलित किया जाता है।

\+

- उत्पादन को परिवर्तित करने के लिये इन्हें बार बार बदलने की आवश्यकता नहीं होती। अर्थात उत्पादन में बदलाव इन्हें स्थिर रखकर भी किया जा सकता है।

\+

- यह एक वर्ष से अधिक समय के लिए कार्य करने की सम्भावना रखते हैं।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform